Roll No. .....

DD-352

M. A. (Second Semester)
EXAMINATION, May/June, 2020

HINDI

Paper Sixth

(मध्यकालीन काव्य)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नांकित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 30

(क) आयो घोष बड़ो व्योपारी।
लादि खेप गुन ज्ञान-जोग की ब्रज में आन उतारी।
फाटक दैकर हाटक माँगत भोरै निपट सुधारी।
धुर ही तें खोटो खायो है लये फिरत सिर भारी।
इनके कहे कौन डहकावै ऐसी कौन अजानी।
अपनो दूध छाँड़ि को पीवै खार कूप को पानी॥

अथवा

हमरे कौन जोग व्रत साधै ?
मृगत्वच भस्म अधारि जटा को को इतनी अबराधै।
जाके कहूँ थाह नहिं पैए अगम अपार अगाधै।
गिरिधरे लाल छबीले मुख पर इते बाँध को बाँधै।
आसन पवन विभूति मृगछाला ध्याननि को अवराधै।

(ब) कोटि बिप्र बध लागहिं जाहू।
आए सरन तजउँ नहिं ताहू॥
सनमुख होइ जीव मोहि जबहीं।
जन्म कोटि अघ नासहिं तबही।
पापवंत कर सहज सुभाऊ।
भजनु मोर तेहि भावन काऊ॥

अथवा

हैं सुत कपि सब तुम्हहिं समाना। जातुधान अतिभट बलवाना॥
मोरे हृदय परम संदेहा। सुनि कपि प्रकट कीन्हिं निज देहा॥
कनक भूधराकार सरीरा। समर भयंकर अतिबल वीरा॥
सीता मन भरोस तब भयऊ। पुनि लघु रूप पवनसुत लयऊ॥

(स) बतरस लालच लाल की मुरली धरी लुकाय।
सौंह करे भौंहनि हंसै दैन कहै नटि जाय॥
कागद पर लिखत न बनत कहत संदेसु लजात।
कहिहैं सब तेरो हियो मेरे हिय की बात॥
तो पर वारौं उरबसी, सुनि राधिके सुजान।
तू मोहन कै उर बसी ह्वै उरबसी समान॥

अथवा

कहा भयौ जो बीछुरै, मो मन तोमन साथ।
उड़ी जात कित हू गुडी, ताऊ उड़ायक हाथ॥
तंत्री नाद कवित्त रस, सरस राग रति रंग।
अनबूड़े बूड़े तरे, जे बूड़े सब अंग॥
बैढि रही अति सघन बन, पैठि सदन-तन माँह।
देखि दुपहरी जेठ की छाँहौ चाहति छाँह॥

2. श्रेष्ठ उपालम्भ काव्य के रूप में सूरदास प्रणीत भ्रमरगीत का मूल्यांकन कीजिए। 10

अथवा

सूरदास के भ्रमरगीत की मौलिक उद्‌भावनाओं पर प्रकाश डालिए।

3. समन्वयवादी कवि के रूप में तुलसीदास की काव्य-कला की विवेचना कीजिए। 10

अथवा

काव्य-रचनाओं के आधार पर गोस्वामी तुलसीदास की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

4. बिहारी के दोहे 'नावक के तीर' की तरह मर्माहत प्रभाव उत्पन्न करते हैं। पठित दोहों के आधार पर कथन की विवेचना कीजिए। 10

अथवा

रीतिकाल का परिचय देते हुए कविवर बिहारी का मूल्यांकन कीजिए।

5. किन्हीं **पाँच** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 10

(i) कविवर पद्‌माकर का संक्षिप्त साहित्यिक परिचय दीजिए।

(ii) केशवदास को कठिन काव्य का प्रेत कहना कहाँ तक उचित है ?

(iii) कविवर भूषण की प्रमुख रचना का परिचय दीजिए।

(iv) देव की काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(v) घनानन्द की विरह-वेदना का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

(vi) अष्टछाप के कवियों में सूरदास का स्थान निरूपित कीजिए।

(vii) रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य का लक्षण स्पष्ट कीजिए।

6. किन्हीं **दस** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10

(i) 'छत्रसाल-दसक' के रचयिता कौन हैं ?

(ii) दोहा मात्रिक छन्द है **या** वर्णिक ?

(iii) किस राजा ने प्रसन्न होकर भूषण की पालकी में अपना कंधा लगाया था ?

(iv) लंका में सीता का निवासस्थान कहाँ था ?

(v) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने केशवदास के किस पक्ष की प्रशंसा की है ?

(vi) देव की **एक** रचना का नाम लिखिए।

(vii) बिहारी की एक मात्र रचना का क्या नाम है ?

(viii) घनानन्द की रचना में सुजान कौन है ?

(ix) सूरदास शृंगार के अतिरिक्त किस रस के अद्वितीय कवि माने जाते हैं ?

(x) पद्माकर की **एक** रचना का नाम लिखिए।

(xi) हिन्दी में प्रकाशित **एक** पत्रिका का नाम लिखिए।